

अध्याय - 8 | रामवृक्ष बेनीपुरी

QUIZ-04

1. बालगोबिन भगत अपने बेटे को क्यों और भी अधिक मानते थे?
- वह पढ़ाई में तेज था
 - वह कमज़ोर और भोला-सा था
 - वह गाँव का मुखिया था
 - वह खेती में निपुण था

(B)

व्याख्या: भगत अपने बेटे को और अधिक मानते थे क्योंकि वह भोला और कमज़ोर था।

2. बेटे की मृत्यु पर भगत ने क्या किया?

- विलाप किया
- रोते-रोते बेहोश हो गए
- गीत गाते रहे
- गाँववालों से लड़ पड़े

(C)

व्याख्या: बेटे की मृत्यु पर भी भगत चटाई के पास बैठकर गीत गाते रहे।

3. बेटे के शव के पास भगत ने कौन-सी चीज़ें सजाई थीं?

- धान और गेहूँ
- फूल, तुलसीदल और दीपक
- कपड़े और गहने
- नारियल और सुपारी

(B)

व्याख्या: शव पर भगत ने फूल, तुलसीदल और पास में दीपक सजाया था।

4. बेटे की चिता को आग किससे दिलवाई गई?

- खुद भगत ने
- गाँव के पंडित ने
- पतोहू से
- लेखक से

(C)

व्याख्या: बेटे की चिता को भगत ने अपनी पतोहू से अग्नि दिलवाई।

5. रोती हुई पतोहू को भगत क्या कहते थे?

- और ज़ोर से रोने को
- उत्सव मनाने को
- गाने को
- सोने को

(B)

व्याख्या: रोती हुई पतोहू को भगत कहते थे कि वह रोने के बजाय उत्सव मनाए।

6. भगत की इस घटना से उनके किस विश्वास का पता चलता है?

- परिवारवाद में विश्वास
- मृत्यु को आत्मा-परमात्मा का मिलन मानना
- जीवन को दुखमय मानना
- पाखंड में विश्वास

(B)

व्याख्या: इस घटना से स्पष्ट है कि भगत मृत्यु को आत्मा-परमात्मा का मिलन मानते थे।

7. भगत ने बेटे के दाह संस्कार में कौन-सी सामाजिक रूढ़ि का विरोध किया?

- विधवा विवाह का
- पतोहू को घर से निकालने का
- बेटे को मुखाग्नि देने का अधिकार स्वयं लेने का
- महिलाओं को घर में कैद करने का

(C)

व्याख्या: उन्होंने बेटे को मुखाग्नि स्वयं न देकर अपनी पतोहू से दिलवाकर सामाजिक रूढ़ि का विरोध किया।

8. लेखक को क्यों लगा कि भगत पागल हो गए हैं?

- बेटे की मृत्यु पर भी गा रहे थे
- पतोहू को डाँट रहे थे
- गाँववालों से झगड़ रहे थे
- खेतों में काम करने लगे

(A)

व्याख्या: लेखक को लगा कि भगत पागल हो गए हैं क्योंकि बेटे की मृत्यु पर भी वे गा रहे थे।

9. भगत की पतोहू का स्वभाव कैसा बताया गया है?

- विद्रोही और कठोर
- सुभग और सुशील
- आलसी और उदास
- चंचल और तेज़

(B)

व्याख्या: पतोहू को सुभग और सुशील बताया गया है जिसने घर का पूरा प्रबंधन संभाल लिया था।

10. भगत की इस घटना से हमें क्या शिक्षा मिलती है?

- मृत्यु पर शोक मनाना चाहिए
- मृत्यु को अंत मानना चाहिए
- मृत्यु को आत्मा-परमात्मा का मिलन मानकर उसे उत्सव की तरह स्वीकार करना चाहिए
- मृत्यु से डरना चाहिए

(C)

व्याख्या: इस घटना से शिक्षा मिलती है कि मृत्यु को आत्मा-परमात्मा का मिलन मानकर उसे उत्सव की तरह स्वीकार करना चाहिए।